

माँ भगवती टाइम्स

देवास 8 अप्रैल 2025 मंगलवार

DIGITAL
NEWS

पंडित रघुनंदन समाधिया संपादक

क्रिकेट की स्थापना हुई है मेरे हिंदुस्तान में पहला खेल खेला था जमनातट पर नंदलाल ने - सत्यनारायण सत्तन, राष्ट्र भक्ति और धर्म भक्ति की काव्य धारा के साथ देर रात तक चला अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

देवास : पंडित रघुनंदन समाधिया : प्रधान संपादक

देवास। ओताओं की याह याह और तालियों की गूंज के बीच कैलाशदेवी मंदिर में श्रीमद भागवत के मंच पर 7 अप्रैल को देर रात तक चले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन ने अनूठी छाप छोड़ी। जब कवि सम्मेलन के कुशल संचालक कवियों के गुरु नौ रसों के ज्ञाता सत्यनारायण सत्तन ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच अपनी राष्ट्र भक्ति रचनाओं का पाठ सुनाया आ गया है वहक जागते खुदो ना सोईये हमलावतों के रक्त से अपने शस्त्र को धोईये। मातया की महिला का सुंदर बखान करते हुए कहा मां हिन्दी शब्द और लव अंग्रेजी है माता के



प्रेम की भावना का नाम है मातल है। श्री कृष्ण ने जीवन जीना और खेल खेना भी सिखाया है। क्रिकेट की स्थापना हुई मेरे हिंदुस्तान में पहला खेल खेला था जमना तट पर नंदलाल ने। राष्ट्र भक्ति और धर्म भक्ति की रचनाओं का पाठ किया। लखनव के वीर रस के प्राकृत एवं राष्ट्रीय कवि वेदव्रत वाजपेई ने अपनी उम्दा रचनाएं सुनाते हुए कहा कि आखिर कब तक देश जलेगा उग्रवाद की भट्टी में। हमको पूरी दुनिया करना है अपनी मुट्ठी में। अभी तिरंगे के रंगों का ठीक से उड़ाना बाकी है। कटे फटे मान चित्र का पूरा जुड़ना बाकी है। राष्ट्र भक्ति की रचनाओं को सुनकर ओताओं ने भारत माता की जयकारे से पांडाल को गुंजायमान कर दिया। देवास के राष्ट्रीय कवि देवकृष्ण व्यास ने अपना रचना पाठ करते हुए सुनाया कि यह धरती है सनातनी की, नहीं जरूरत तनातनी की। इतिहास के पन्ने खोल के देखो, जीवित मिला प्रमाण है। जहां खोटा वहां वहां भगवान है। संहित राष्ट्रीय एवं आध्यात्मिक रचनाओं का पाठ किया। गुजरात भूज से आई कवियत्रि मोनिका हठीला ने सानदार सरस्वती वंदना के साथ अपनी भूगर्भ एवं ग्रेटर रचनाएं सुनाई। उनकी मुट्ठी में जान होती है जिनकी बेटी जवान होती है। बारा राजस्वान के हास्य व्यंग कवि सत्येन्द्र यशवेन्द्र ने अपनी हास्य व्यंग रचनाओं से ओताओं को ओतप्रोत करदी एवं शाजापुर के हास्य कवि दिनेश देसी धी ने हास्य पेरोंड़ी पड़ कर ओताओं को ठहाके लगाने मजबूर कर दिया। घेतन उपाध्याय ने छुटीली रचनाओं के साथ कविता मंच का स्वागत संचालन किया। अतिथियों का स्वागत आयोजक मधुलाल गर्ग, शंकरलाल अग्रवाल, समिति संचालक रामसिंह सौध, राजेश यादव, अजबसिंह ठाकुर, रमण शर्मा, माखन सिंह राजपूर, गोविंद अग्रवाल, मोहन श्रीवास्तव, हेमंत जैन आदि ने किया। कवियों का आभार जयेश गर्ग ने माना। बड़ी संख्याएं में महिला पुरुषों ओता ने देर रात तक कवियों को सुनकर आनंद लिखा की रचनाओं

